



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 17 जून, 2026

जारी करने का समय: 1415 घंटे

- विषय: (i) 23 जून, 2026 के आसपास दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों तथा छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में आगे बढ़ने की संभावना है।
- (ii) इस हफ्ते पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा बिहार में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- (iii) मध्य प्रदेश में 21 जून तक, विदर्भ में 20 जून तक, तेलंगाना में 19 जून तक और छत्तीसगढ़ में 17 जून, 2026 तक कुछ इलाकों में लू (heat wave) चलने की बहुत संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 18°N/60°E, 18°N/65°E, 18°N/70°E, हरनाई, सोलापुर, हैदराबाद, भद्राचलम, कोरापुट, फूलबनी, रांची, जमुई, मुजफ्फरपुर और 28.3°N/83°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 4-5 दिनों के दौरान तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और बिहार के कुछ और हिस्सों तथा छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं।

आज, 17 जून 2026 को सुबह 08:30 बजे IST पर समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम की स्थिति:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, असम, अरुणाचल प्रदेश और केरल में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा और मिजोरम में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर 60-90 किमी/घंटा की गति वाली तेज हवाओं के साथ आंधी-तूफान आया; वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, हरियाणा, विदर्भ, झारखंड, छत्तीसगढ़ और पंजाब में कुछ जगहों पर हवा की गति 40-60 किमी/घंटा रही।
- ❖ ओडिशा और विदर्भ में कुछ जगहों पर लू (हीटवेव) की स्थिति बनी रही।

आज सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (16-06-2026 तक): कल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, पूर्वी मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, गुजरात राज्य, झारखंड, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना, विदर्भ, पश्चिमी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिन/अधिकतम तापमान 40-44°C के बीच था और देश के बाकी हिस्सों में 40°C से कम था। सबसे ज्यादा अधिकतम तापमान 44.0°C प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (16-06-2026 तक): मध्य महाराष्ट्र और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कई जगहों पर; झारखंड, मराठवाड़ा, विदर्भ और तेलंगाना में कुछ जगहों पर; ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु,

पुडुचेरी और कराईकल में कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा ($> 5.1^{\circ}\text{C}$) था। कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कई जगहों पर; अरुणाचल प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, केरल और माहे और लक्षद्वीप में कुछ जगहों पर; असम और मेघालय, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार, सौराष्ट्र और कच्छ और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) था। गुजरात क्षेत्र में कई जगहों पर; रायलसीमा में कुछ जगहों पर; उत्तराखंड में कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) था। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और पूर्वी राजस्थान में कई जगहों पर; नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में ज़्यादातर जगहों पर; पंजाब और पश्चिमी राजस्थान में कुछ जगहों पर; हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली में कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) था।

- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (17-06-2026 तक) कोंकण और गोवा, विदर्भ, छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C) है; पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, ओडिशा, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, गुजरात राज्य, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C) है; और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ❖ मौसमी ट्रफ़ (कम दबाव का क्षेत्र) निचले क्षोभमंडल (ट्रोपोस्फेरिक) स्तर पर पंजाब से बिहार तक फैली हुई है।
- ❖ एक पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस), ऊपरी हवा के चक्रवाती परिसंचरण के रूप में, निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के इलाकों में बना हुआ है।
- ❖ एक प्रेरित ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडल स्तर पर दक्षिणी पंजाब और आसपास के इलाकों में बना हुआ है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों के बीच उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और आसपास के इलाकों में बना हुआ है।
- ❖ एक ट्रफ़ निचले क्षोभमंडल स्तर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश से दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश तक फैली हुई है।
- ❖ एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मध्य क्षोभमंडल स्तर पर पूर्वी विदर्भ और उससे सटे दक्षिणी छत्तीसगढ़ के ऊपर बना हुआ है।
- ❖ एक ट्रफ़ निचले क्षोभमंडल स्तर पर उत्तरी तमिलनाडु से लक्षद्वीप तक फैली हुई है।
- ❖ 18 जून, 2026 से उत्तर-पश्चिमी भारत पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ का असर पड़ने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 17 से 22 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 23 जून को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 17 से 23 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कहीं-कहीं (अलग-अलग स्थानों पर) से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 से 22 जून के दौरान पंजाब में; 17 से 22 जून के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 17 से 19 जून और 23 जून को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 17 से 19 जून और 22 से 23 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 17 से 23 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17 से 22 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (गति 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। हिमाचल प्रदेश में 18-19 जून के दौरान; उत्तराखंड में 18-20 जून के दौरान; 17 जून को हिमाचल प्रदेश में तेज़ हवाएं (रफ़्तार 30-40 किमी/घंटा, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

- ❖ हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में 18-22 जून के दौरान; पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में 17 जून और 20-23 जून के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (रफ्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 18 जून को; पूर्वी राजस्थान में 18-19 जून के दौरान तेज़ आंधी (रफ्तार 60-70 किमी/घंटा, झोंके 80 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 19 जून को तेज़ आंधी (रफ्तार 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फराबाद में 18-19 जून के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 17-19 जून के दौरान कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान में 17-19 जून के दौरान धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 17-19 जून के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 17-19 जून और 22-23 जून के दौरान; छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 17-23 जून के दौरान कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 17-19 जून के दौरान; छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 17-21 जून के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (रफ्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17-23 जून के दौरान काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 20-23 जून के दौरान; ओडिशा में 19-20 जून के दौरान।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 17-19 जून के दौरान; बिहार और झारखंड में 17-23 जून के दौरान; ओडिशा में 17-18 जून और 21-23 जून के दौरान कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 17-23 जून के दौरान; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17-19 जून के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 17-21 जून के दौरान; झारखंड में 17-18 जून और 22-23 जून के दौरान; बिहार में 17 जून और 20-23 जून के दौरान; ओडिशा में 19-21 जून के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 23 जून को; बिहार में 17-20 जून के दौरान; ओडिशा में 19 जून को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 17-22 जून के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ झारखंड में 19-21 जून के दौरान; बिहार में 18-19 जून के दौरान; ओडिशा में 17-18 जून के दौरान आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 17-23 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17-23 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 17-23 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 17-23 जून के दौरान असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 17-23 जून के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; 17-18 जून के दौरान गुजरात क्षेत्र में; और 17 जून को सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 18-19 जून के दौरान कोंकण और गोवा तथा मराठवाड़ा में; और 17-18 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 17-23 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 17-18 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 17-22 जून के दौरान तटीय कर्नाटक में; 17-20 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; और 17-20 जून तथा 22-23 जून के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 17-23 जून के दौरान केरल और माहे में; 19-23 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 23 जून को तटीय कर्नाटक में; 21-23 जून के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; और 21 जून को तेलंगाना में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है। □ 17-21 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 17-18 जून और 21-23 जून के दौरान तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है। साथ ही, 17-18 जून के दौरान केरल और माहे में; 17-21 जून के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ 17-21 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 18 जून और 21-23 जून के दौरान केरल और माहे में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। इसके अलावा, 17 जून को केरल और माहे में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 19 जून तक मध्य भारत में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2-3°C की वृद्धि और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।
- ❖ 18 जून तक पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं, 19-21 जून के दौरान धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।
- ❖ 19 जून तक महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे 2°C की वृद्धि और उसके बाद धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट की संभावना है।
- ❖ 23 जून 2026 तक देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।

लू (Heat Wave) और गर्म व उमस भरे मौसम की चेतावनी:

- ❖ 17-18 जून के दौरान बिहार और ओडिशा में; 17 जून को छत्तीसगढ़ में; 17-21 जून के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 17-22 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 17-19 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना में; 18-19 जून के दौरान मराठवाड़ा में कुछ जगहों पर हीट वेव (लू) की स्थिति होने की बहुत संभावना है। विदर्भ में 17-20 जून के दौरान; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 19-22 जून के दौरान।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, ओडिशा और रायलसीमा में 17-18 जून के दौरान; कोंकण और गोवा में 17-19 जून के दौरान गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 17 जून से 22 जून, 2026 के दौरान इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 17 से 22 जून के दौरान कोमोरिन इलाके से सटे मन्नार की खाड़ी, दक्षिण श्रीलंका के तटों और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 18 से 22 जून के दौरान ओडिशा और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल के तटों और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में; 17 से 19 जून के दौरान दक्षिण म्यांमार के तटों और उत्तर-पूर्व व पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी और उत्तरी अंडमान सागर में।

- ❖ अरब सागर: 17 से 22 जून के दौरान सोमालिया के तट और दक्षिण-पश्चिम व पश्चिमी-मध्य अरब सागर के हिस्सों में; 18 से 22 जून के दौरान ओमान के तट और उत्तर-पश्चिम व पश्चिमी-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 17 से 20 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ असम: उदयपुर 17;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: देवमाली एडब्ल्यूएस 13;
- ❖ केरल: पोन्नानी (मलप्पुरम जिला) 16, पट्टांबी (पलक्कड़ जिला) 13;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कुमारग्राम टी.ई. - 13;
- ❖ मिजोरम: लेंगपुई 9;
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: पानागढ़ 9;
- ❖ पूर्वी राजस्थान: मलसीसर 7;
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: चाचौड़ा 7;
- ❖ ओडिशा: अंगुल 7।

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: गोरखपुर (एडब्ल्यूएस राज्य) और सिद्धार्थनगर (एडब्ल्यूएस राज्य) - 80; महाराजगंज (एडब्ल्यूएस राज्य) - 78; कुशीनगर (एडब्ल्यूएस राज्य) - 59; गोरखपुर (आईएएफ) - 46;
- ❖ पूर्वी राजस्थान: सीकर 76;
- ❖ ओडिशा: राउरकेला - 74
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: ग्वालियर - 70; अशोकनगर - 52; भोपाल - 48; सीहोर - 46; बैतूल-44; श्योपुर - 44;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर - 65; सतना - 43;
- ❖ पश्चिमी राजस्थान: बाडमेर - 60;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जीबी नगर (एडब्ल्यूएस) - 54; बुलन्दशहर (एडब्ल्यूएस) और हिंडन (एडब्ल्यूएस) - 41;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम - 51;
- ❖ हरियाणा: सिरसा - 48; हिसार - 41;
- ❖ विदर्भ: वर्धा - 48;
- ❖ झारखंड: सिमडेगा - 43;
- ❖ छत्तीसगढ़: बिलासपुर - 43; मुंगेली - 43; जांजगीर चांपा - 41; बेमेतरा - 41;
- ❖ पंजाब: बठिंडा 41।

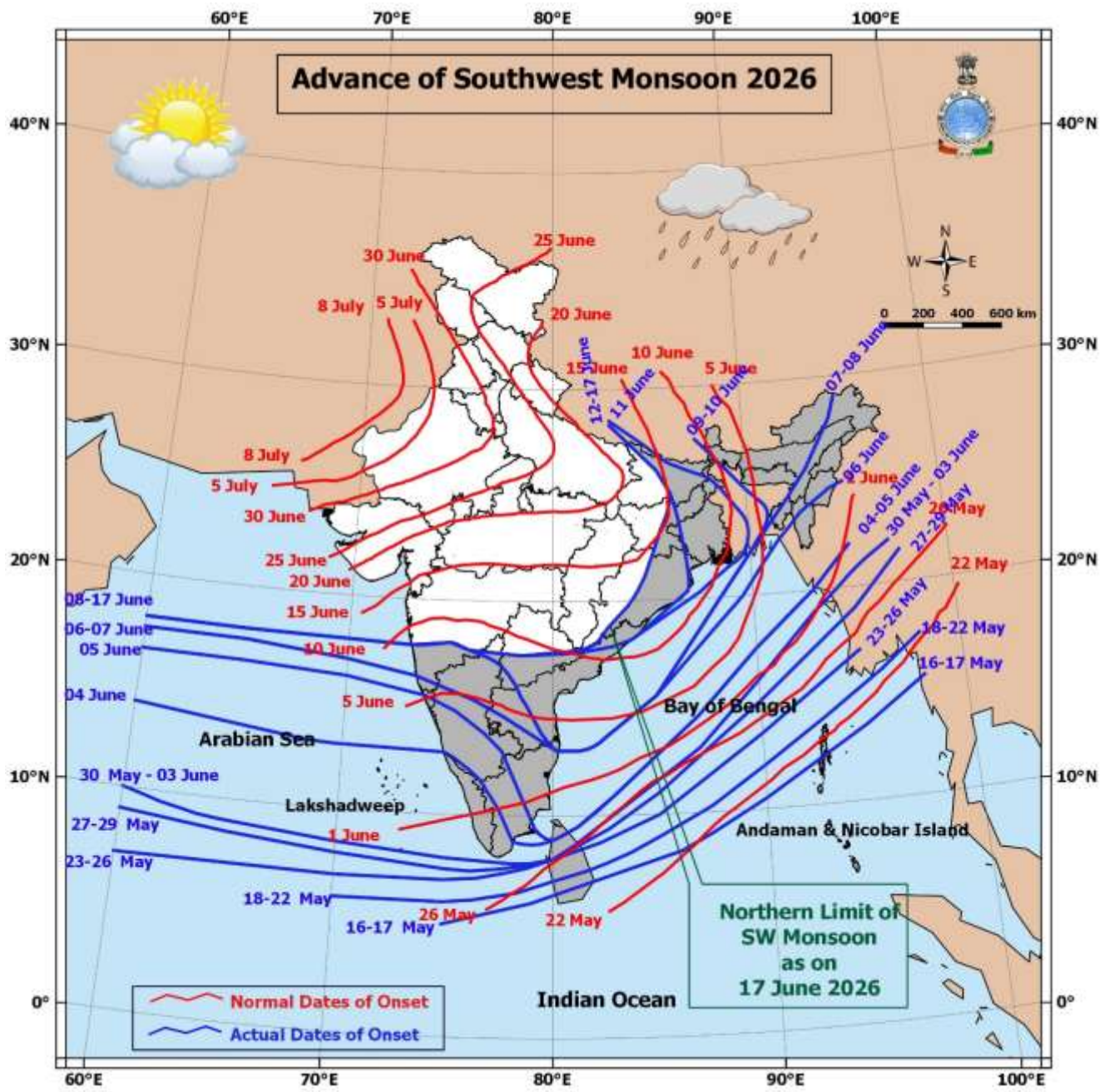
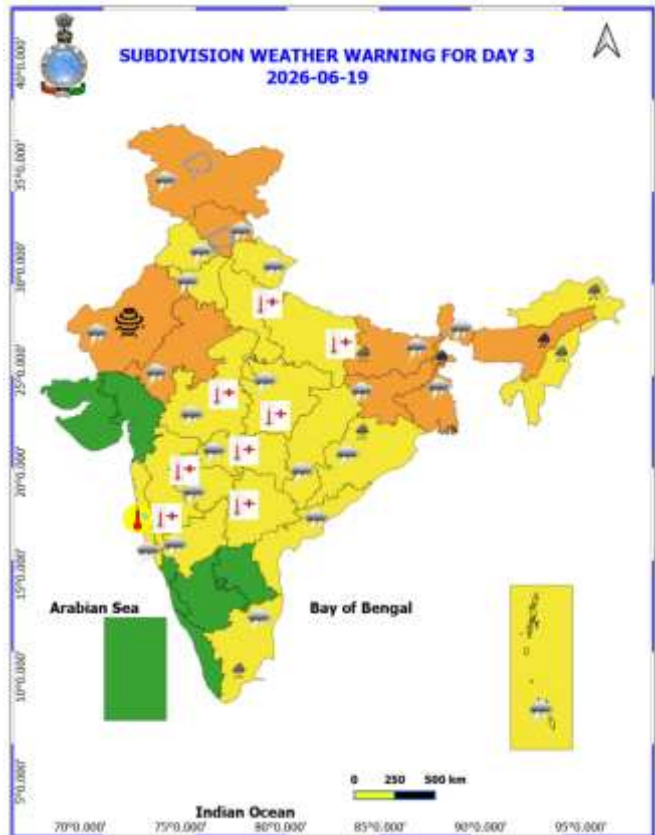
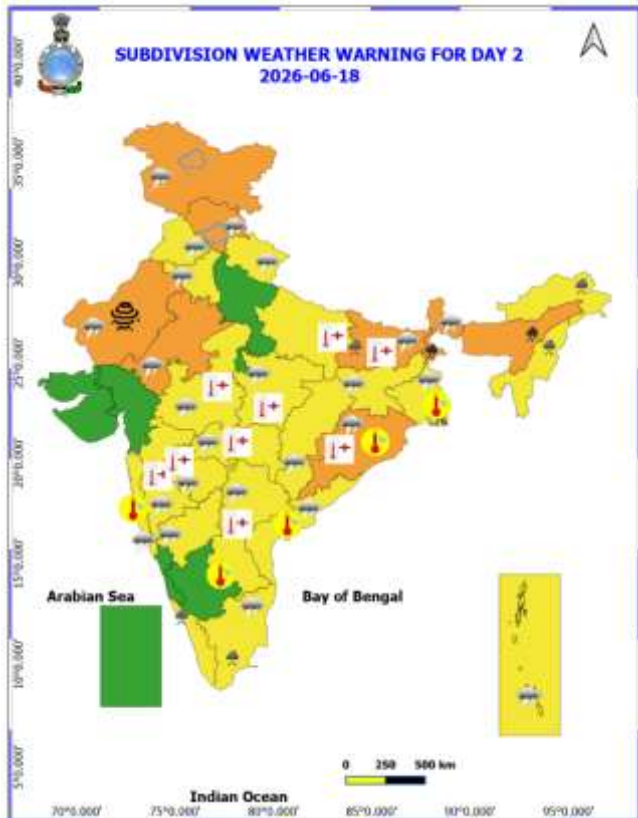
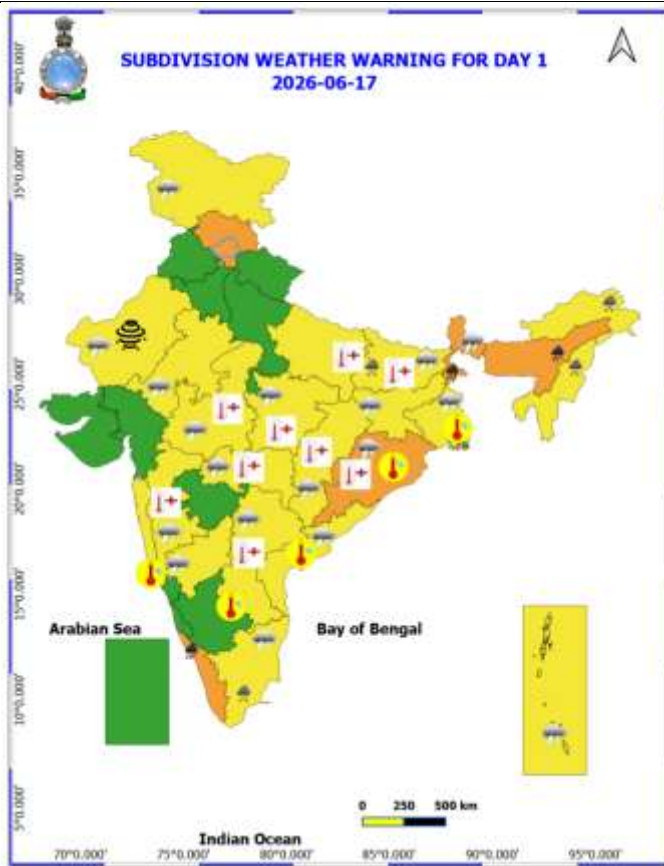
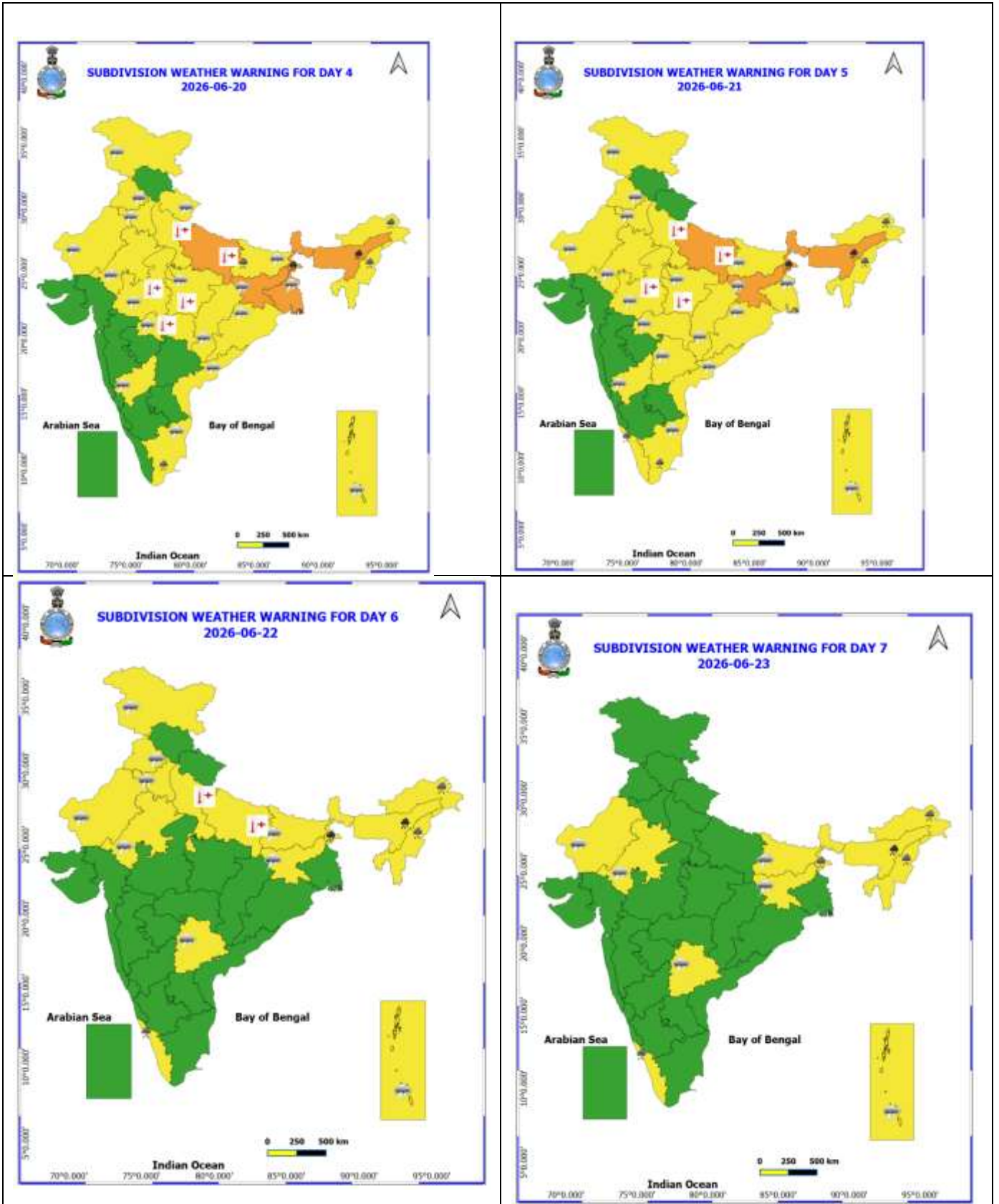


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	17- Jun	18- Jun	19- Jun	20- Jun	21- Jun	22- Jun	23- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
14	PUNJAB	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
27	CHHATTISGARH	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	SCT	ISOL	SCT	SCT
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

17 से 20 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान⁹

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 4-6°C की गिरावट और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C और न्यूनतम तापमान 22-24°C के बीच रहा। दिल्ली में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.1°C या उससे कम) और कई जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-5.0°C या उससे कम) और बाकी जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहे और बारिश/तूफान हुआ; दक्षिण-पश्चिम दिशा से ज़मीनी हवा की गति 22 किमी/घंटा तक रही, जिसके झोंके 47 किमी/घंटा तक पहुँचे। आज सुबह के समय इलाके में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दक्षिण-पश्चिम दिशा से ज़मीनी हवा की गति 20 किमी/घंटा तक रहने (झोंके 47 किमी/घंटा तक) की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

17.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ तूफान/बिजली चमकने/तेज़ ज़मीनी हवाओं (गति 30-40 किमी/घंटा, झोंके 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 36°C से 38°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से ज़मीनी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 24 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

18.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। शाम/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ तूफान/बिजली चमकने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 37°C से 39°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से कम (-1.6 से -3.0) रहेगा; दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 24 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 24 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

19.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। सुबह/दोपहर के समय आंधी/बिजली कड़कने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। सुबह के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 18 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति 22 किमी/घंटा तक रहेगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 24 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

20.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय बहुत हल्की/हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा) की तेज़ सतही हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 36°C से 38°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और कई जगहों पर सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। वहीं, अधिकतम तापमान कई जगहों पर सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) और कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहने की संभावना है। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार

सुबह के समय 23 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की रफ्तार 20 किमी/घंटा तक रहेगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की रफ्तार 23 किमी/घंटा तक रहेगी।

बिजली/तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

बिजली और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) के साथ आंधी-तूफान और धूल भरी हवाएं चलने की संभावना है।

- संभावित असर: पेड़ों की टहनियों का टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियों का गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, टहनियां गिरने से बिजली और संचार लाइनों को कम या ज़्यादा नुकसान, तेज़ हवाओं से कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान, हल्की चीज़ों का उड़ जाना।

- जनता की सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम की जानकारी और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर रहें और गैर-ज़रूरी यात्रा से बचें, खिड़कियां और दरवाज़े अच्छी तरह बंद करें, सुरक्षित जगहों पर शरण लें और खुली जगहों से बचें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों के सहारे खड़े हों, बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, पानी वाली जगहों से तुरंत बाहर निकल जाएं, बिजली के सुचालक (करंट ले जाने वाली) चीज़ों से दूर रहें।

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और जान-माल के नुकसान से बचने के लिए सुरक्षा सावधानियों का पालन करें।

बिजली, तेज़ हवाओं/झोंके वाली हवाओं और ओलावृष्टि के साथ कहीं-कहीं आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 18 जून को पश्चिमी राजस्थान में; और 18-19 जून के दौरान पूर्वी राजस्थान में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी/घंटा, झोंके 80 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 19 जून को पश्चिमी राजस्थान में तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ 18-19 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद; 17-19 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश; 19-21 जून के दौरान झारखंड; 18-19 जून के दौरान बिहार; और 17-18 जून के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।

- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 17 से 22 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 17 से 23 जून के दौरान असम और मेघालय में; और 17 जून को केरल और माहे में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 17-18 जून के दौरान बिहार और ओडिशा के कुछ इलाकों में; 17 जून को छत्तीसगढ़ में; 17-21 जून के दौरान पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 17-22 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 17-19 जून के दौरान मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना में; 18-19 जून के दौरान मराठवाड़ा में; 17-20 जून के दौरान विदर्भ में; और 19-22 जून के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू (heat wave) चलने की बहुत संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तेज़ तापमान और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में अधिक है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे- शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के स्वास्थ्य के लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है।
- ❖ धूप में निकलने से बचें और खुद को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ, भले ही आपको प्यास न लगी हो।

- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने के लिए ORS या घर पर बने पेय पदार्थ (जैसे- लस्सी, तोरानी/चावल का पानी, नींबू पानी, छाछ आदि) का सेवन करें।
- ❖ लू (हीट वेव) की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 5-6 जून; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून; पश्चिमी राजस्थान में 8-11 जून; और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 9-11 जून के दौरान कुछ इलाकों में लू चलने की बहुत संभावना है।
- ❖ अलर्ट वाले क्षेत्र
- ❖ ज्यादा तापमान और लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में लू से जुड़ी बीमारी के लक्षण दिखने की ज्यादा संभावना।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे शिशु, बुजुर्ग, और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) की सेहत को लेकर ज्यादा चिंता।
- ❖ धूप में जाने से बचें - खुद को ढंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का इस्तेमाल करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **जम्मू और कश्मीर और हिमाचल प्रदेश** में, फलों के बागानों और सब्जीवर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें। जलभराव से बचाव हेतु खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, जलजमाव से बचाव हेतु सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। फसल के नुकसान से बचने के लिए परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई कर लें।
- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी बुवाई न करें। धान की नर्सरी की क्यारियों को पतली पॉलीथीन शीट से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- **मेघालय** में, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागों से बारिश के अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, मूंग की फलियों की कटाई करें और दानों को बारिश से बचाने के लिए तिरपाल से ढक दें या सूखी जगह पर रखें। धान और सब्जियों की कटी हुई फसल को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें। जूट, अदरक, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों और खरीफ धान व सब्जियों की नर्सरी में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंजालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- **तमिलनाडु** में, धान, बाजरा (कंबू), मूंगफली, गन्ना, केला और सब्जियों में जल जमाव को रोकने के लिए उचित जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें। कटाई की गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

उच्च तापमान / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **ओडिशा, बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और तेलंगाना** में, सब्जियों की फसलों और फलों के बागानों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को उच्च तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

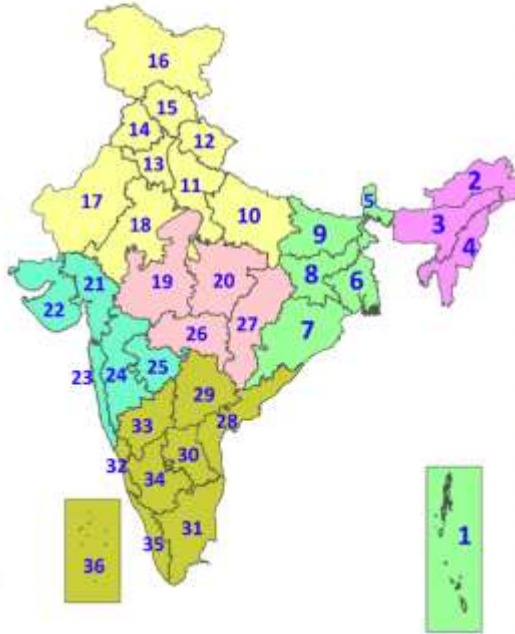
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)